

Padma Shri



DR. SUBBANNA AYYAPPAN

Dr. Subbanna Ayyappan, stands out as a Scientist and a Science Leader, with meaningful contributions towards making agriculture, science-based and technology-led, and enhancing food production levels significantly along with farmers' income through diversification, particularly aquaculture. He is widely recognized for spreading farm literacy among the public, establishing partnerships between farmers and researchers through an integrated approach, with lifetime efforts to 'science for society' in agricultural research and development.

2. Born on 10th December, 1955, Dr. Ayyappan studied at the College of Fisheries, Mangalore for his Bachelor (1975) and Master (1977) degrees in Fisheries Science from the University of Agricultural Sciences, Bangalore and obtained Ph.D. degree from Bangalore University in 1988.

3. Dr. Ayyappan made exemplary research contributions in the areas of aquaculture and aquatic microbiology pertaining to biofertilization, remediation and integrated farming, contributing to enhance and sustainable freshwater aquaculture production. Further, he played a significant role in the country's fisheries innovation, development and policy in various capacities, enabling the present fish production in the country. He is presently the Chancellor, Central Agricultural University, Imphal; and Chairman, Karnataka Science and Technology Academy, Bengaluru, with a scientific career spanning over four decades.

4. Dr. Ayyappan researched in a comprehensive manner on his original thought process and planning with the paradigm of 'agriculture-food-nutrition-health-environment-employment'. Both the farming and student communities in the country have greatly benefitted with the synergy accomplished for problem-solving recipes required for Indian farmers, integrated crop-livestock and terrestrial-aquatic food production systems. As an Agricultural Research Manager for over two decades, his innovative interventions and team approach showed transformational changes in the National Agricultural Research and Education System, with a strong focus on the farmers. He served on a number of national and international Committees and Boards of FAO/NACA, The World Bank/CGIAR Centres, relating to Agricultural Research & Development, with ongoing contributions in Science & Technology.

5. Dr. Ayyappan is the recipient of several awards and honours. He has been conferred honorary Doctorate degrees by well known Indian Universities and Fellowship of Science Academies and Societies. He is also recipient of the Karnataka Rajyotsava Award, 2013; ICAR Award for Team Research, 1997-98; Dr. B.P. Pal Memorial Award, Indian Science Congress Association, 2012 & National Academy of Agricultural Sciences, 2012; Shri G.M. Modi Award for Innovative Science & Technology, 2014; Shri Om Prakash Bhasin Award in Agriculture and Allied Sciences, 2015; Sir M. Visveswaraya Memorial Award, Karnataka State Council for Science & Technology, 2017.

पद्म श्री



डॉ. सुब्बण्ण अय्यप्पन

डॉ. सुब्बण्ण अय्यप्पन वैज्ञानिक और विज्ञान के क्षेत्र में एक अग्रणी शख्सियत हैं, जिन्होंने कृषि को विज्ञान पर आधारित और प्रौद्योगिकी से प्रेरित बनाने और विविधीकरण, खासकर जल कृषि के जरिये किसानों की आमदनी के साथ-साथ खाद्य उत्पादन स्तरों को काफी बढ़ाने की दिशा में सार्थक योगदान किया है। उन्हें कृषि अनुसंधान व विकास में “समाज के लिए विज्ञान” में जीवनभर के प्रयासों के साथ एक समन्वित दृष्टिकोण के माध्यम से किसानों और अनुसंधानकर्ताओं के बीच साझेदारी स्थापित करते हुए जनता के बीच कृषि को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है।

2. 10 दिसंबर, 1955 को जन्मे, डॉ. अय्यप्पन ने कॉलेज ऑफ फिशरीज, मंगलूर से बैचलर (1975) की शिक्षा, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, बंगलूर से फिशरीज साइंस में मास्टर्स (1997) की डिग्री और 1988 में बंगलूर यूनिवर्सिटी से पी. एच.डी. की डिग्री प्राप्त की।

3. डॉ. अय्यप्पन ने बायोफर्टिलाइजेशन, रेमेडिएशन और इंटीग्रेटेड फार्मिंग से संबंधित एक्वाकल्चर और एक्वेटिक माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्रों में शोध में उत्कृष्ट कार्य करते हुए फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर उत्पादन को बढ़ाने और बनाए रखने में योगदान किया। इसके अलावा, उन्होंने विभिन्न क्षमताओं में देश की फिशरीज के नवप्रवर्तन, विकास और नीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के मौजूदा मत्स्य उत्पादन को संभव बनाया। चार दशकों से अधिक के वैज्ञानिक करियर के साथ, वर्तमान में वे केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल के चांसलर; और कर्नाटक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी, बेंगलुरु के चेयरमैन हैं।

4. डॉ. अय्यप्पन ने ‘कृषि-खाद्य-पोषण-स्वास्थ्य-पर्यावरण-रोजगार’ के प्रतिमान के साथ अपनी मौलिक विचार प्रक्रिया और नियोजन पर व्यापक रूप में शोध किया। देश के कृषक और विद्यार्थी समुदाय, दोनों भारतीय किसानों के लिए जरूरी समस्या-समाधान उपायों, समन्वित फसल पशुधन और स्थलीय जलीय खाद्य उत्पादन प्रणालियों में किए गए तालमेल से अत्यधिक लाभान्वित हुए हैं। दो दशकों से अधिक तक कृषि अनुसंधान प्रबंधक के रूप में, उनके नवीन प्रयासों और टीम एप्रोच ने किसानों पर मजबूती से बल देते हुए राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली में रूपांतरकारी बदलाव दिखाए हैं। उन्होंने एफ ए ओ/एन ए सीए, विश्व बैंक/सी जी आई ए आर सेंटर्स जैसे कृषि अनुसंधान और विकास से संबंधित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समितियों तथा बोर्डों में अपनी सेवाएं दी और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में अब भी योगदान कर रहे हैं।

5. डॉ. अय्यप्पन को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें प्रसिद्ध भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा मानद डॉक्टरेट डिग्रियाँ और विज्ञान अकादमियों तथा सोसाइटियों द्वारा फेलोशिप प्रदान की गई है। उन्हें कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, 2013; टीम रिसर्च के लिए आईसीएआर पुरस्कार, 1997-98; डॉ. बी.पी.पाल मेमोरियल पुरस्कार, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, 2012 और नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस 2012; इनोवेटिव साइंस एंड टेक्नोलॉजी के लिए श्री जी.एम. मोदी पुरस्कार, 2014; कृषि और संबद्ध विज्ञान में श्री ओमप्रकाश भसीन पुरस्कार, 2015; विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए कर्नाटक राज्य परिषद का सर एम. विश्वेश्वरैया स्मारक पुरस्कार, 2017 मिल चुका है।